साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम

आज दिनांक 10/02/2025 दिन सोमवार को अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन बल्लभगढ़ व अग्रवाल पी.जी. कॉलेज बल्लभगढ़ फरीदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रधान श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता जी , संस्था महासचिव श्री दिनेश गुप्ता जी, दोनों संस्थाओं के प्राचार्य डॉ सुबेश पांडे व डॉ संजीव कुमार गुप्ता जी तथा दोनों संस्थाओं के प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन अग्रवाल कॉलेज आफ एजुकेशन बल्लभगढ़ की प्राध्यापिका श्रीमती कविता अहलावत द्वारा किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन बल्लभगढ़ फरीदाबाद के इंस्पेक्टर SHO श्री महेंदर सिंह जी व उनके साथ आए हुए सब इंस्पेक्टर श्री बाबूराम जी थे। श्री बाबूराम जी ने बड़े ही सरल व सहज शब्दों में आज की तकनीकी दुनिया में इंटरनेट के माध्यम से हो रहे साइबर अपराधों को समझाने का प्रयास किया और इन सभी से किस प्रकार से सावधान रहा जाए उसके लिए पावर पॉइंट के माध्यम से बहुत ही विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे केवल अशिक्षित ही नहीं बल्कि पढ़े लिखे और बच्चे भी ग्रसित हो रहे हैं , जिससे बचने का सबसे आसान तरीका इसकी जागरूकता है। फिर भी अगर आप किसी साइबर अपराध के शिकार हो जाते हैं तो उसके लिए आपकी समस्या का हल कैसे हो सकता है उससे आप कैसे बच सकते हैं या उसके चंगुल से कैसे निकल सकते हैं इसके लिए विविध प्रकार की शिकायत और एक नंबर बताया जिस पर जाकर के आप अपनी समस्या का समाधान कर सकते हैं। इंस्पेक्टर महेंदर जी ने बताया कि लालच में आकर किसी ठगी के शिकार होने से बचने और डर के कारण कोई भी प्रतिक्रिया करने से बचना चाहिए। अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉक्टर सुबेश पांडे जी ने सभी को लालच से बचने और डर को मन से निकाल कर काम करने की बात की साथ ही अग्रवाल पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर संजीव गुप्ता जी ने अपने स्वयं के उदाहरण देते हुए बताया कि किसी भी फोन या मैसेज या किसी अन्य रूप में क्राइम से बचने के लिए पहले हमें गंभीरता से सूचना चाहिए तब उस पर कोई कार्य करना चाहिए। और उन्होंने आए हुए अतिथियों और व्याख्याता का धन्यवाद करते हुए भविष्य में ऐसी जागरूकताओं के लिए आमंत्रित करने पर पुनः आने की पेशकश की।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती कविता अहलावत ने सभी का धन्यवाद करते हुए इस कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी को स्वयं व अपने जानने वालों से साझा करने की बात की जिससे हम स्वयं और हमारे सभी जानने वाले या जन-जन तक यह बात पहुंच सके और सभी इस आपराधिक गतिविधि के शिकार होने से बच सकें।